हिन्दी दिवस प्रतिवेदन

14 सितंबर का दिन पूरे भारतवर्ष में हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। 14 सितंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में घोषित किया था।भारतीय संविधान केभाग 17, अनुच्छेद 341 (1) में हिंदी और इसकी लिपि के संबंध में कहा गया है कि "संघ की राजभाषा हिंदी **और** लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग में होने वाले अंकों का रूप अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।"14 सितंबर 1953 से इसे आधिकारिक रूप राष्ट्रीय हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। तब से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं संवर्धन के लिए इस दिन देश के विभिन्न विभागों, संस्थानोंव कार्यालयों द्वारा हिंदी भाषा एवं साहित्य संबंधी गोष्ठियां, व्याख्यान मालाएं एवं विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं तथा हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया जाता है।

राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला में भी 14 सितंबर, 2022 को हिंदी विभाग के सौजन्य से हिंदी दिवस का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत हिंदी भाषा को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए, इसके शुद्ध उच्चारण एवं शुद्ध लेखन के प्रति छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसके अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता, कविता वाचन, श्रुतलेखन प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं पोस्टर (चित्रकला) प्रतियोगिता इत्यादि विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमभी आयोजित किए गए।

मंच संचालन करती छात्राएं

कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे पूर्वाहन महाविद्यालय के सभागार में शुरू हुआ। **डॉ0 रुचि रमेश प्राचार्या राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला** इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ, उसके पश्चात मुख्य अतिथि को बैजिज़ तथा प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया तथा उनके साथ आए गणमान्य को भी रोजिट लगाकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलन करते हुए

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते हुए

अन्य गणमान्य अतिथियों को सम्मानित करते हुए

कार्यक्रम की सर्वप्रथम बेहद खूबसूरत एवं रोचक प्रस्तुति **सरस्वती वंदना** बी0ए0 तृतीय वर्ष की छात्रा वंदना द्वारा दी गई

सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति देती बी0ए0 तृतीय वर्ष की छात्रा

डॉ0 निशा चौहान (विभागाध्यक्ष) ने कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम को आयोजित करने की अनुमति एवं पूर्ण सहयोग देने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद इस महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 रुचि रमेश का हार्दिक आभार भी व्यक्त किया और सभागार में उपस्थित सभी विद्वत जनों एवं छात्राओ को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। 'हिंदी दिवस' मनाने के औचित्यको बताते हुए उन्होंने राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा का अंतर स्पष्ट कर दोनों ही पड़ाव में उलझी हिंदी की दशा एवं दिशा पर प्रकाश डाला और चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी आज ना तो राजभाषा के रूप में पूरी तरह से प्रतिष्ठित हो पाई है और ना ही राष्ट्रभाषा के रूप में गौरवान्वित। जबकि हिंदी भारत में ही नहीं विदेशों में भी अधिक संख्या में बोली जाती हैं। भारत में इसको बोलने वालों की संख्या लगभग 75 प्रतिशत के करीब है। भारत में दक्षिण से पश्चिम तक हुए भाषिक विवादों के कारण हिंदी संवैधानिक रूप से देश की राष्ट्रभाषा नहीं बन पाई है और न ही राजकाज मेंइस भाषा का उस दृष्टि से प्रयोग हो पाया है जैसा राजभाषा का होना चाहिए था। राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा होता है। हिंदी राष्ट्रभाषा बनने का पूरा सामर्थ्य रखती है।

यह राष्ट्रीय एकता, अखंडता तथा भारतीय संस्कृति की परिचायक है। यह प्रेम की भाषा है। दिलो को जोड़ने वाली भाषा है। यह मानवीय भावनाओं एवं संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का सबसे सहज, सरल एवं सशक्त माध्यम है। भारत में अंग्रेजी के बढ़ते वर्चस्व एवं हिंदी के प्रति उदासीनता के लिए चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भाषिक गुलामी किसी भी स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र के संपूर्ण विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। छात्राओं को हिंदी भाषा के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हिंदी को बोल-चाल, काम-काज, शिक्षा- दीक्षा तथा ज्ञान- विज्ञान के क्षेत्र में अधिक से अधिक प्रयोग कर इसे समृद्ध करने में गर्व महसूस करें।

विभागाध्यक्ष मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य का स्वागत करते हुए तथा छात्राओं को संबोधित करते हुए

स्वागत भाषण के पश्चात विभिन्न गतिविधियों का प्रारंभ हुई। सबसे पहले **'भाषण प्रतियोगिता'** करवाई गई, जिसका विषय **'वर्तमान समय में हिंदी की स्थिति एवं हिंदी दिवस का महत्व'** था। इस विषय पर 19 प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ उपयुक्त विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी ने हिंदी भाषा को देश की धरोहर के रूप में अभिव्यक्त किया। इसे देश के विविध धर्मी एवं विविध भाषा भाषी लोगों को एकता के सूत्र में जोड़ने वाली कडी के रूप में अभिव्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों के हिंदी भाषा के प्रति प्रेम एवं उत्थान संबंधी विचार श्रेष्ठ एवं प्रभावशाली थे। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मनीषा शर्मा बी0ए0 द्वितीय वर्ष ने, अदिति शर्मा व गरिमा शर्मा बी0ए0 तृतीय वर्ष ने दूसरा स्थान, रितु शर्मा बी0ए0 द्वितीय वर्ष ने तीसरा स्थान हासिल किया।

'हिंदी की स्थिति एवं हिंदी दिवस का महत्व' परभाषण देती प्रतिभागी छात्राएं

कार्यक्रम की अगली कड़ी में दूसरी प्रतियोगिता **'कविता वाचन'** की रही, जिसमें 18 छात्राओंने भाग लिया। प्रतिभागी छात्राओं ने बड़ी उमंग और जोश के साथ हिंदी की प्रासंगिकता को बड़े भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया। पूरा सभागार 'हिंदी हमारी ऑन है, हिंदी हमारी शान है, हिंदी से ही हमारी पहचान है' जैसी अभिव्यक्तियों से हिंदीमय हो गया था। छात्राओं का वाचन कौशल दृष्टव्य था। प्रतियोगिता में तनुज शर्मा बीए द्वितीय वर्ष प्रथम स्थान पर, भावना कौशल बी0ए0 तृतीय वर्ष दूसरे स्थान पर तथा रितिका बी0ए0 तृतीय वर्ष तीसरे स्थान पर रही।

कविता वाचन करती प्रतिभागी छात्राएं

पोस्टर (चित्रकला) प्रतियोगिता में 8 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागी छात्राओं ने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने वाले और इसके राष्ट्रीय महत्व को स्पष्ट करने वाले बेहद आकर्षक एवं प्रभावशाली रंग योजना युक्त पोस्टर बनाकर हिंदी भाषा के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित किया। इस प्रतियोगिता द्वारा छात्राओं को अपनी पोस्टर बनाने संबंधी कला को निखारने एवं प्रदर्शित करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में मोनिका हरनोट बी0ए0 तृतीय वर्ष प्रथम स्थान पर, कनिका शर्मा बी0ए0 तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान पर और शगुन शर्मा बी0ए0 प्रथम वर्ष तृतीय स्थान पर रही।

हिंदी भाषा के महत्व को प्रदर्शित करते प्रतिभागी छात्राओं द्वारा निर्मित पोस्टर

इस अवसर पर हिंदी भाषिक शुद्धता एवं वर्तनी सुधारने हेतु 'श्रुतलेख प्रतियोगिता' भी आयोजित की गई, जिसमें 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें स्वाति शर्मा बी0ए0 तृतीय वर्ष प्रथम स्थान पर, भावना द्वितीय वर्ष दूसरे स्थान पर व दीक्षा बी0ए0 तृतीय वर्ष तीसरे स्थान पर रही।।

मौलिक लेखन प्रतिभा को उभारने के लिए इस अवसर पर **निबंध प्रतियोगिता** भी की गई। निबंध लेखन का विषय 'आजादी के 75 वर्षों में राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की यात्रा" था। इस प्रतियोगिता में 20 छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान पर मनीषा गौतम बी0ए0 द्वितीय वर्ष, दूसरे स्थान पर प्रेमलता बी0ए0 द्वितीय वर्ष व तीसरे स्थान पर दीक्षा बी0ए0 द्वितीय वर्ष रही।

श्रुतलेख एवं निबंध लेखन में भाग लेती प्रतिभागी छात्राएं

प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका का निर्वहन डॉ0 निशा चौहान एवं डॉ0 संतोष कुमार ने किया।

निर्णायक मंडल के सदस्यत

प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त कुछ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। स्नेहा गुप्ता, आशिमा शर्मा ने देशभक्ति के गीतों से सबका मन मोह लिया था।

देशभक्ति के गीतों की प्रस्तुति देती छात्राएं

हिंदी भाषा के महत्व को प्रतिपादित करने के लिए नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया तथा उसके पश्चात **मुख्य अतिथि डॉ0 रुचि रमेश (प्राचार्य, राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला)** ने अपने संबोधन में सभागार में उपस्थित सभी छात्राओं एवं शिक्षकों को हिंदी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी देश की उन्नति के लिए उस देश की भाषा उन्नत होना जरूरी है। हिंदी बोलने वालों की संख्या भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अधिक है। **विश्व** में अधिक संख्या में बोली जाने वालीयह तीसरी भाषा है। इस भाषा की लिपि अत्यधिक वैज्ञानिक है। इसे अत्यधिक समृद्ध बनाने के लिए इसका तकनीकी क्षेत्र में भी अधिक से अधिक प्रयोग होना चाहिए। हिंदी अपने आप में एक संस्कृति है। यह हमारी मातृभाषा है। हम हिंदी के साथ ही पैदा हुए हैं, इसलिए यह हमारे हर्ष- विषाद की भाषा है। यह हमारी मां है। अतः सभी आज के दिन हिंदी भाषा को बढ़ावा देने का संकल्प लें और अंग्रेजी की अपेक्षा हिंदी बोलने में गर्व महसूस करें। उन्होंने इस आयोजन के लिए हिंदी विभाग के आचार्यों एवं छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बहुत-बहुत बधाई दी और कहा कि हिंदी के उत्थान के लिए इस तरह के कार्यक्रम एक दिन नहीं बल्कि वर्ष भर चलते रहने चाहिए।

मुख्य अतिथि छात्राओं को संबोधित करते हुए

हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए भी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्योंकि हिंदी भारत की विविध भाषाओं को मोतियों की तरह एक लड़ी में पिरोए हुए हैं औरक्षेत्रीय भाषाएं लोक संस्कृति का आधार है।क्षेत्रीय भाषा के महत्व को प्रदर्शित करतीछात्राओं द्वारा दी गई कार्यक्रम की अंतिम एवं आकर्षक प्रस्तुति **हिमाचली पहाड़ी नाटी** ने सभी का खूब मनोरंजन किया।

पहाड़ी नाटी की बेहद खूबसूरत प्रस्तुति देती छात्राएं

कार्यक्रम का आनंद लेते हुए

भाषा में जादुई ताकत होती है छात्रों द्वारा दी गई पहाड़ी नाटी की शानदार प्रस्तुति के बाद सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों एवं छात्राओं ने एक साथ मिलकर पहाड़ी गीतों पर झूम कर खूब आनंद लिया।

पहाड़ी गीतों पर झूमते शिक्षक एवं छात्राएं

कार्यक्रम के अंत में डॉ0 संतोष ठाकुर ने मुख्य अतिथि एवं उनके साथ आए अन्य गणमान्यों का आभार व्यक्त किया और प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए।

डॉ0 संतोष ठाकुर मुख्य अतिथि एवं सभागार में उपस्थित समस्त जन का आभार करते हुए

कार्यक्रम में वरिष्ठ आचार्यों डॉ0 अंजलि चौहान, डॉ0 संतोष भारद्वाज, प्रो0 वंदना शर्मा, डॉ0 रेवा गुप्ता, डॉ0 शोभा, प्रो0 गीता शर्मा, प्रो0 राशिका, डॉ0 रीटा भारद्वाज, प्रो0 श्रीकांत शर्मा इत्यादिके साथ-साथ सैकड़ों छात्राएं मौजूद रही। गरिमा शर्मा और भुवनेश्वरी (छात्राएं बी0ए0 तृतीय वर्ष) मुख्य मंच संचालक के रूप में रहीं।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। अंत में प्रतिभागी एवं आयोजक समिति की सभी छात्राओं को अल्पाहार भी दिया गया। यह दिन बड़े उत्साह के साथ मनाया गया और एक खूबसूरत व यादगार दिन बन गया। जिसके अंतर्गत **हिंदी भाषा की प्रासंगिकता को स्पष्ट करते हुए छात्राओं को अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का**

भी सुअवसर प्राप्त हुआ। हिंदी दिवस को मनाने एवं राष्ट्रभाषा के महत्व को स्पष्ट करती हुई भारतेंदु की ये पंक्तियां सभी छात्राओं के मन मस्तिष्क पर सदैव गहरा प्रभाव अवश्य डालेगी---

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय

प्रस्तुतकर्त्री-------

डॉ0 निशा चौहान (संयोजक, हिंदी दिवस)

डॉ0 संतोष कुमार (सदस्य, हिंदी दिवस)

हिंदी विभाग, राजकीय कन्या महाविद्यालय

शिमला।

171001

को प्रस्तुत------

प्राचार्या

राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला।

171001

15 सितंबर, 2022

फोटो गैलरी

RAJKIYA KANYA MAHAVIDYALYA

RAJKIYA KANYA MAHAVIDYALYA
SHIMLA, HIMACHAL PRADESH
हिन्दी दिवस

SHIMLA, HIMACHAL PRADESH
हिन्दी दिवस

SHIMLA, HIMACHAL PRADESH
हिन्दी दिवस

SHIMLA, HIMACHAL PRADESH
हिन्दी दिवस

RAJKIYA KANYA MAHAVIDYALYA
SHIMLA, HIMACHAL PRADESH
हिन्दी दिवस

SHIMLA, HIMACHAL PRADESH

SHIMLA, HIMACHAL PRADESH
हिन्दी दिवस

RAJKIYA KANYA MAHAVIDYALYA